क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 06, मंगलवार, 29 जनवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

न्यूज

450 किमी ट्रैक पर मार्डन सिग्नल सिस्टम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने मिशन जीरो एक्सीटेंड लागू कर रेल यात्रा को सुरक्षित बनाने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। इसके तहत 450 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर सिग्नल सिस्टम को आधुनिक बनाने की मंजूरी दे दी है। इसमें पहली बार कई आधुनिक तकनीक का एकीकृत रूप में इस्तेमाल होगा। ट्रेन परिचालन के पूर्ण रूप से कंप्यूटरीकृत होने से मानवीय चूक से होने वाले ट्रेन हादसे थम जाएंगे। रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गत सप्ताह 450 किमी से अधिक लंबे रेलवे ट्रैक पर एकीकृत सिग्नल सिस्टम लगाने की मंजूरी दे दी गई है। इस पर 1200 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

अंतरिम बजट सत्र : 30 को सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अंतरिम बजट सत्र से पूर्व लोस की कार्यवाही सुचारू रूप से चले, इसलिए स्पीकर सुमित्रा महाजन ने 30 जन. को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। रास अध्यक्ष वेंकैया नायडू ने 31 जन. को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस सवर्दलीय बैठक में सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने पर चर्चा होगी। अंतरिम बजट 1 फरवरी को पेश किया जाएगा। 1 फरवरी से 13 फरवरी तक संसद का सत्र बुलाया गया है। इस सत्र में केंद्र द्वारा अंतरिम बजट पेश किया जाएगा, जबकि चुनाव संपन्न होने के बाद चुनी हुई नई सरकार द्वारा पूर्ण बजट पेश किया जाएगा। वहीं अंतरिम बजट कार्यवाहक वित्त मंत्री पीयूष गोयल पेश करेंगे।

वन विभाग की टीम पर हमला, दो जवान शहीद

पटना, (एजेंसी)। बिहार के पश्चिमी चंपारण से बड़ी खबर आ रही है। यहां वन विभाग की टीम पर तस्करों ने हमला बोल दिया। इस हमले में दो जवानों के शहीद होने की खबर है। हमले की सूचना मिलते ही पुलिस मौका-ए-वारदात के लिए पुलिस टीम रवाना हो गई। घटना शनिवार देर रात की बताई जा रही है। घटना बगहा के गोबरहिया के दोन इलाके की है। यहां वन विभाग की टीम लकड़ी तस्करों की सूचना पर लकड़ी जब्ती के लिए गई थी तभी लकड़ी तस्करों ने वन विभाग की टीम पर हमला बोल दिया। हमले में दो जवानों की मौत हो गई। उनके नाम अर्जुन यादव और हीरालाल कुशवाहा हैं।

ट्रेन-18 अब 'वंदे भारत एक्सप्रेस' कहलाएगी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। स्वदेश निर्मित ट्रेन-18 सेट का नाम 'वंदे भारत एक्सप्रेस' होगा। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को यह घोषणा की। ट्रेन-18 में अलग से कोई इंजन नहीं है। इस रेलगाड़ी के एक सेट में 16 डिब्बे लगे हैं। इसे पहले दिल्ली-वाराणसी के बीच चलेगी। इसकी अधिकतम रफ्तार 160 किमी प्रति घंटा है। पीएम मोदी जल्द ही इसे हरी झंडी दिखाएंगे। ट्रेन-18 को रायबरेली स्थित मॉर्डन कोच फैक्टरी ने 18 माह में तैयार किया है। इस पर 97 करोड़ की लागत आई है। इसे पुरानी शताब्दी एक्स. रेलगाड़ी का उत्तराधिकारी माना जा रहा है, जो 30 साल पहले विकसित की गई थीं।

सिंधु नदी : दिल्ली पहुंचा पाक प्रतिनिधि मंडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंधु जल डील पर वार्ता करने के लिए पाक सिंधु जल आयुक्त सैयद मोहम्मद मेहर अली शाह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल आज यहां पहुंच गया । भारतीय अधिकारियों के साथ यह प्रतिनिधिमंडल सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पाकल दुल बांध और निचली कलनाई पन बिजली परियोजना का निरीक्षण करेगा। एक उच्च पदस्थ सूत्र ने बताया कि यह प्रतिनिधिमंड़ल मुख्य रूप से यहां बातचीत के लिए आया है जो जल संसाधन मंत्रालय में सिंधु जल आयुक्त प्रदीप सक्सेना की अगुवाई में अन्य अधिकारियों के साथ जम्मू में चेनाब नदी पर बनी जल परियोजनओं के निरीक्षण के लिए रवाना होगा।

पीएम के 199 उपहारों की नीलामी शुरू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम मोदी को भेंट किए गए स्मृति चिन्हों को नीलाम करने की प्रक्रिया रविवार को शुरू हुई। राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एनजीएमए), दिल्ली में आयोजित नीलामी से जुटाई गई धनराशि का इस्तेमाल सरकार की महत्वपूर्ण 'नमामि गंगे' परियोजना में होगा। उपहारों की ई-नीलामी के लिए एक खास वेबसाइट शुरू की गई है। इस पर भेंट का विवरण भी है। स्मृति चिन्ह की कीमत 100 रूपये से 30,000 रूपये के बीच है। कीमत के आधार पर उपहारों के बारे में वेबसाइट पर सर्च किया जा सकता है। पीतल, चीनी मिट्टी, कपड़ा, कांच, सोना, धातु की सामग्री आदि के आधार पर उपहारों की श्रेणी बनाई गई है।

अयोध्या मामले में फिर टली सुनवाई, अगली तिथि तय नहीं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में अयोध्या मामले पर 29 जनवरी को होने वाली सुनवाई टल गई है। 2 दिन पहले ही सीजेआई रंजन गोगोई ने अयोध्या मामले की सुनवाई के लिए 5 सदस्यीय नई संवैधानिक बेंच का गठन किया था। सुको के अडिशनल रजिस्ट्रार लिस्टिंग की ओर से रविवार को जारी नोटिस के मुताबिक संवैधानिक बेंच में शामिल जस्टिस एसए बोबडे 29 जन. को मौजूद नहीं रहेंगे, इस वजह से मामले की सुनवाई नहीं होगी।

जस्टिस यू यू ललित के मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने के बाद नए बेंच का गठन किया गया है। पहले से सुनवाई की तारीख 29 जनवरी तय की गई थी, लेकिन अब यह तारीख कैंसल कर दी गई है इसके बाद नई तारीख तय की जाएगी। बता दें कि चीफ जस्टिस रंजन गोगोई ने अयोध्या मामले की सुनवाई के लिए शुक्रवार को नई संवैधानिक बेंच का गठन किया। नई बेंच में जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस अब्दुल नजीर को शामिल किया गया है।

अयोध्या विवाद पर बोले सीएम योगी, कोर्ट हमें सौंप दे मामला तो 24 घंटे में कर देंगे निपटारा

अयोध्या विवाद को लेकर एकबार फिर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि कोर्ट यदि इस मामले को हमें सौंप दे तो 24 घंटे में इसका निपटारा कर देंगे। बता दें सीएम योगी ने यह बयान एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम के दौरान दिया है इ इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राम मंदिर पर जनता के सब्र का बांध कभी भी टूट सकता है। वे बोले जनता का राम मंदिर पर धैर्य तेजी से खत्म हो रहा है। अगर सुप्रीम कोर्ट इस विवाद पर जल्द फैसला सुनाने में असमर्थ है तो कोर्ट यह मामला हमें सौंप दे, हम इस मामले को 24 घंटे में सुलझा लेगें। चैनल के कार्यक्रम के दौरान उनसे सवाल किया गया क्या वे राम मंदिर का मुद्दा बातचीत से सुलझाएंगे या फिर किसी और तरीके से, तो इस पर वे बोले कि पहले कोर्ट को इस मुद्दे को हमें सौंपने दीजिए। वे बोले कि मैं कोर्ट से यह अपील करता हूं कि इसे जल्द से जल्द निपटा दे। साल 2010 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी अपने फैसले में यह माना था कि बाबरी ढांचे को हिन्दू मंदिर या स्मारक तोड़ने के बाद बनाया गया था। हाईकोर्ट के आदेश में आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में भी यही बात सामने आई थी।

'अबकी बार हिंदू सरकार' के साथ चुनाव में उतरेंगे तोगड़िया

लखनऊ (एजेंसी)। विहिप से अलग होकर पीएम मोदी के खिलाफ मोर्चा खोले अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद (एवीपी) के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया अपने सियासी दल की घोषणा से पहले किसानों की लामबंदी में जुटे हैं। इसके लिए वे प्रदेश में घूम-घूमकर किसानों के साथ बैठक कर रहे हैं। इसी सिलसिले में 29 जनवरी को वे लखनऊ में शहीद स्मारक के पास गांधी भवन में किसानों को संबोधित करेंगे। दरअसल, तोगिड़या ने 9 फरवरी को दिल्ली में सम्मेलन बुलाकर अपनी सियासी पार्टी की घोषणा का एलान कर रखा है। इसके लिए वे देशभर से लोगों को बुला रहे हैं। लखनऊ से पहले वे 28 जनवरी को गोलागोकर्णनाथ में भी किसानों के सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। कानपुर में भी वे 30 जनवरी को सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

`9 फरवरी को करेंगे पार्टी का ऐलान

चंदा कोचर के खिलाफ FIR दर्ज करने वाले अफसर का तबादला

सीबीआई ने दी सफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने आईसीआईसीआई बैंक मामले में जांच अधिकारी का स्थानांतरण कर दिया क्योंकि गोपनीय पड़ताल में यह पाया गया कि अधिकारी जांच से जुड़ी सूचनाएं लीक कर रहा था। अधिकारियों ने रविवार को इस संबंध में जानकारी दी। आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर, उनके पति दीपक और विडियोकॉन ग्रुप के एमडी वेणुगोपाल धूत के खिलाफ 22 जनवरी को मामले में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के एक दिन बाद पुलिस अधीक्षक सुधांशु धर मिश्रा का तबादला रांची कर दिया गया है। इससे पहले भी सीबीआई की जानकारियां लीक होती रही है। सीबीआई विवाद में आलोक वर्मा द्वारा उच्चतम न्यायालय मे दाखिल किया गया जवाब लीक हो गया था। जिसपर की अदालत ने कड़ी नाराजगी जताई थी।

कार्रवाई में देरी से उठे सवाल: सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के एक धड़े ने गुरुवार को आरबीआई की नियामक शक्तियों पर सवाल खड़े किए। बैंकों ने कहा कि आरबीआई निजी क्षेत्र के बैंकों से निपटने के लिए पर्याप्त शक्तियों का दावा करने के बावजूद आईसीआईसीआई बैंक-वीडियोकॉन मामले में कोई कार्रवाई करने में असफल रहा है।

पीएनबी घोटाले से पहले सीबीआई की जांच में कई बड़े नाम

निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंकों में शुमार आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व एमडी व सीईओ चंदा कोचर पर केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) की नजर पीएनबी घोटाले के पहले से थी। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक चंदा कोचर के खिलाफ सबसे पहले अक्टूबर 2016 में अरविंद गुप्ता ने शिकायत दर्ज कराई थी इसके बाद सीबीआई ने 8 दिसंबर 2017 को कोचर, उनके पति और वीडियोकॉन के मालिक वेणुगोपाल धूत के खिलाफ जांच शुरू कर दी थी।

ईवीएम पर लंदन में प्रेस कान्फ्रेंस पर पीएम ने साधा निशाना

अब विपक्ष को संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं

त्रिशूर ■ एजेंसी

दक्षिण भारत के दौरे पर रविवार को केरल पहुंचे पीएम मोदी ने त्रिशूर जिले में जनसभा को संबोधित किया। यहां सरकारी योजनाओं का जिक्र करने के बाद पीएम मोदी ने बीते दिनों ईवीएम हैक करने के दावे के साथ लंदन में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस के बहाने कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा।

पीएम ने कहा कि सारा विपक्ष फिर चाहे वह कांग्रेस हो या कम्युनिस्ट पार्टी- उसे देश की किसी भी संवैधानिक व्यवस्था पर भरोसा नहीं है। इन लोगों के लिए सेना, पुलिस, सीबीआई, सीएजी और सारी संस्थाएं गलत हैं और ये सभी लोग सिर्फ खुद को सही मानते हैं। पीएम ने कहा, कि हाल ही में सारा देश देखकर यह हैरान था कि कैसे लंदन की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत के लोकतांत्रिक सिस्टम पर सवाल उठाए और कैसे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता इस पत्रकार वार्ता में शामिल हुए। मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं, क्या यही आपका हमारे संविधान और संवैधानिक संस्थानों के प्रति सम्मान है और क्या आप राजनीति के लिए इस स्तर तक आ चुके हैं? पीएम ने कहा कि कांग्रेस को खुद पर उठे हर सवाल पर जवाब देना होगा। आपको बता दें कि रविवार को दक्षिण भारत के दौरे पर पहुंचे पीएम ने त्रिशूर से पहले कोच्चि और तमिलनाडु के मदुरै में भी कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

30 को शहीदों को श्रद्धांजलि देने का किया आग्रह

पीएम मोदी ने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के दौरान सभी देशवासियों से 30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर शहीदों को दो मिनट की श्रद्धांजलि देने का आग्रह किया।

देश में 5 लाख से ज्यादा गांव खुले में शौच से मुक्त

साढ़े पांच लाख गांव और 600 जिले खुले में शौच से मुक्त हो गए हैं और 98 फीसदी ग्रामीण भारत स्वच्छता के दायरे में आ गया है। इनमें नौ करोड़ परिवारों को शौचालय उपलब्ध कराया है।

भारत चंद्रयान-2 से चांद पर मौजूदगी दर्ज कराएगा

भारत जल्द ही चंद्रयान-2 अभियान के जरिए चांद पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराने वाला है। इसके साथ ही उन्होंने जानमाल की रक्षा में और सरकारी योजनाओं की आपूर्ति में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की भी सराहना की।

(अंतिम पेज भी देखें)

जब तक चौकीदार हूं तब तक भ्रष्टाचार नहीं होने दूंगा

पीएम ने विपक्ष को 'भ्रष्ट घर' करार देते हुए कहा कि पिछले चार वर्षो में दिल्ली के लोगों ने उन्हें 'चौकीदार' बनाया है। मोदी ने यहां पार्टी कार्यकर्ताओं की रैली को संबोधित करते हुए कहा, जब तक मैं दिल्ली में हूं, मैं किसी प्रकार के भ्रष्टाचार की इजाजत नहीं दूंगा और न ही देश की एकता और अखंडता को तबाह होने दूंगा। राज्य युवा मोर्चा की बैठक का उद्घाटन के बाद उन्होंने कहा, विपक्ष में मेरे मित्र दिवालिया हो चुके हैं।

सपा अध्यक्ष की मांग

केंद्र संगम किनारे स्थित किला प्रदेश को दान करें

प्रयागराज, (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि जब सम्राट हर्षवर्धन यहां आते थे तो सबकुछ दान करके चले जाते थे। सरकार ने अभी तक कुछ दान नहीं किया। हम चाहेंगे कि केंद्र सरकार यहां पर स्थित किला प्रदेश सरकार को दान कर दे। कुंभ मेले में श्री पंचायती निरंजनी अखाड़ा में इसके सचिव नरेंद्र गिरि और अन्य साधु संतों के साथ प्रसाद ग्रहण करने के बाद अखिलेश ने हा कि प्रदेश सरकार अगली कैबिनेट बैठक कुम्भ मेले में करने जा रही है।

इस कैबिनेट में प्रस्ताव पारित कर इसे केंद्र के पास भेज दे। कुम्भ खत्म होते होते कम से कम किला तो दिलवा दें। फौज को अगर जगह चाहिए तो हमारे पास चंबल यमुना के पास बहुत जगह है। जितनी चाहे उतनी जगह फौज को दे दें। उल्लेखनीय है कि केंद्र की पहल पर हाल ही में किला स्थित अक्षयवट और सरस्वती कूप को आम लोगों के दर्शन के लिए खोला गया है। अकबर द्वारा बनवाया गया यह किला सेना से नियंत्रण में है। सपा पर जातिगत राजनीति के आरोप लगाए जाने के बारे में पूछे जाने पर सपा प्रमुख ने कहा कि हम चाहते हैं कि सभी जातियों की गणना कर ली जाए।

नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस पर परेड में हिस्सा लेने वाले कलाकारों और एनसीसी छात्रों से रविवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मुलाकात की और ग्रुप फोटों भी खिंचवाया।

मनी लांड्रिंग : गौतम खेतान गिरफ्तार, दो दिन की ईडी हिरासत में भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाईकोर्ट ने काला धन रखने और मनी लांड्रिंग के एक नए मामले में वीवीआईपी हेलिकॉप्टर मामले के आरोपी वकील गौतम खेतान को शनिवार को दो दिन के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया। एजेंसी ने मनी लांड्रिंग के तहत शुक्रवार रात खेतान को गिरफ्तार किया था और शनिवार को उसे कोर्ट में पेश किया, जहां ईडी ने सात दिन के लिए उसे हिरासत में दिए जाने का अनुरोध किया था। ईडी ने दावा किया था कि उसके पास अज्ञात संपत्तियों की जानकारी है जिसका मूल्य 500 करोड़ रु से अधिक है और 'साजिश का पता लगाने' उसे हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने की जरूरत है। आयकर विभाग व्दारा काला धन (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) एवं कराधान अधिनियम 2015 की धारा 51 के तहत उसके खिलाफ एक केस दर्ज किए जाने के आधार पर ईडी ने पीएमएलए के तहत खेतान के खिलाफ एक नया आपराधिक मामला दर्ज किया है।

शहीद को 'अशोक चक्र', परिजनों को राष्ट्रपति ने दिया सर्वोच्च सम्मान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश के 70वें गणतंत्र दिवस पर ऐसे सपूत का सम्मान किया गया। जिसने न सिर्फ आतंक को मुंह तोड़ जवाब दिया बल्कि दुनिया के सामने भी जबरदस्त मिसाल पेश की।

शहीद लांस नायक नजीर अहमद वानी को मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने जैसे ही वाणी के परिजनों को ये सम्मान सौंपा मानो वक्त थम गाय और इस वीर सपूत की शहादत को सलाम करने लगा। हर दिल में दुआ और जुबां पर सलाम था, जहां लोग इस मां के लाल को उसकी शहादत के लिए याद कर रहे थे। आपको बता दें कि अहमद वाणी एक समय पर खुद भी आतंकी थे। लेकिन बाद में इनका मन बदला और इन्होंने देश की सेवा करने का मन बना लिया। वानी को यह पुरस्कार मिलना हर युवा के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है।

नवंबर माह में जम्मू कश्मीर के शोपियां में हुई मुठभेड़ में वानी शहीद हो गए थे। अशोक चक्र शांति के समय सेना की ओर से दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। वानी को इस सम्मान का ऐलान, उनके परिवार के लिए किसी गौरव से कम नहीं है। सेना का यह जवान कश्मीर के उस हिस्से से आता है जहां पर सबसे ज्यादा आतंकी वारदात होती हैं। वानी पहले एक आतंकी थे लेकिन बाद में उन्होंने अपना मन बदला और देश सेवा के लिए निकल पड़े।

मौसम की मार

राज्य के कई हिस्सों में हुई बारिश ने बदला मौसम का मिजाज

मध्यप्रदेश में सर्द हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल सहित राज्य के कई अन्य हिस्सों मे चल रही हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। वहीं मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों में कई स्थानों पर गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है।

राज्य में रविवार को मौसम साफ रहा और धूप खिली थी साथ ही हवाएं ठिठुरन पैदा कर रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के कई हिस्सों में हुई बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया है। ठंड बढ़ गई है और तापमान में गिरावट आई हैं। राज्य में धार जिला सबसे ठंडा रहा जहां तापमान 4.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि आगामी 24 घंटों में रीवा, शहडोल व जबलपुर संभागों के कई जिलों में गरज चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

राज्य के मौसम ने फिर करवट ली है। रविवार को भोपाल का न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस,

इंदौर का 7.2, ग्वालियर का 5.3 और जबलपुर का न्यूनतम तापमान 11.7 सेल्सियस दर्ज किया गया।

वहीं शनिवार को भोपाल का अधिकतम तापमान 19.6 डिग्री सेल्सियस, इंदौर का 20.4 डिग्री सेल्सियस, ग्वालियर का 20.6 डिग्री सेल्सियस और जबलपुर का अधिकतम तापमान 17.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

केलांग का तापमान -17 डिग्री नीचे पहुंचा

शिमला/नई दिल्ली, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बर्फीली हवाएं चल रही हैं और यहां के ज्यादातर स्थानों का तापमान हिमांक बिंदू से नीचे पहुंच गया है। केलांग राज्य में सर्वाधिक ठंडा रहा। यहां का तापमान -17 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। शिमला मौसम केंद्र के निदेशक मनमोहन सिंह ने बताया कि कुल्लू जिले के मनाली में न्यूनतम तापमान -5 डिग्री सेल्सियस नीचे, शिमला जिले के कुफरी में -4.2 डिग्री नीचे, चंबा जिले के डलहौजी में -1.5 डिग्री सेल्सियस नीचे और शिमला में -0.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। जहां आखिरी बर्फबारी शुक्रवार को देखी गई। यहां कुछ इलाकों जैसे माल रोड, रिज, यूएस क्लब और जाखू की पहाड़ियों पर हिमपात हुआ। शिमला के पास के इलाके जैसे कुफरी और नारकंडा और मनाली और डलहौजी भी बर्फ की मोटी चादर से ढके हुए हैं। किन्नौर जिले के कल्पा का न्यूनतम तापमान - 5.2 डिग्री कम रहा जबकि मनाली का न्यूनतम -पांच डिग्री कम, डलहौजी का-1.5 डिग्री नीचे, पालमपुर का 0.5 डिग्री और धर्मशाला का 0.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं दूसरी और नई दिल्ली में रविवार को वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई और हवा की गति मंद पड़ने से वायु गुणवत्ता की स्थिति और बिगड़ने की आशंका है।

वादे पूरे न करो, तो जनता पीटती भी है : गडकरी

मुंबई/नई दिल्ली, (एजेंसी)। इन दिनों अपने बेबाक बयानों की वजह से सुर्खियों में रह रहे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को एक और बड़ा बयान दिया है।

महाराष्ट्र में एक कार्यक्रम के दौरान चुनावी वादों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि सपने दिखाने वाले नेता लोगों को अच्छे लगते हैं, पर दिखाए हुए सपने अगर पूरे नहीं किए तो जनता उनकी पिटाई भी करती है इसलिए सपने वही दिखाएं जो पूरे कर सकें। मैं सपने दिखाने वाले में से नहीं हूं। मैं जो बोलता हूं वो 100 प्रतिशत डंके की चोट पर पूरा होता है।

इसी महीने की शुरूआत में उन्होंने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की तारीफ करते हुए कहा था कि उन्हें अपनी क्षमता साबित करने के लिए किसी तरह के आरक्षण की जरूरत नहीं पड़ी और उन्होंने कांग्रेस के अपने समय के पुरुष नेताओं से बेहतर काम किया।

एयरबस चलाने की तैयारी, मिलेगी ट्रैफिक से निजात

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को ऐलान किया कि जल्द ही दिल्ली की ट्रैफिक की समस्या को दूर करने के लिए डबलडेकर एयरबस चलाई जाएंगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली में छह लेन के एलिवेटेड रोड का शिलान्यास किया। जो दिल्ली-सहारनपुर हाईवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे को आपस में जोड़ेगा।

संपादकीय

मेक इन इंडिया

हमारे लिए गणतंत्र दिवस एक साथ अपनी प्रगति, संपन्ता, शौर्य, शक्ति, सभ्यता और सांस्कृतिक विविधता को समग्रता में प्रदर्शित कर भारतीयों में आत्मगौरव व आत्मविास बनाए रखने का अवसर होता है। किंतु इस गणतंत्र परेड को कई मायनों में पिछले से थोड़ा भिन्न बनाया गया तो निश्चय ही उसका संदेश भी उसी अनुरूप गया होगा। पिछले वर्ष हमने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस द्वारा 75 वर्ष पूर्व अंडमान में फहराए गए भारतीय ध्वज का समारोह मनाया। गणतंत्र दिवस में आजाद हिन्द फौज के चार बुजुर्ग सेनानियों का राजपथ पर गमन हर भारतीय के अंदर राष्ट्रीयता के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा अवश्य पैदा किया होगा। कभी आजाद हिन्द फौज के सेनानियों को यह सम्मान नहीं मिला था। हम महात्मा गांधी की 150वीं जयंती वर्ष मना रहे हैं। परेड में उसका प्रभाव दिखना चाहिए था। दक्षिण अफ्रीका से उनके आगमन से लेकर उनकी यात्राओं, आंदोलनों, उनके सूत्र वाक्यों, समाज बदलाव के उनके कार्य आदि का जितना विशद और आकर्षक चितण झांकियों में दिखाया गया, उससे परेड गांधीमय बना रहा। महात्मा गांधी ने अपने सत्याग्रह की शुरु आत दक्षिण अफ्रीका से की, इसलिए वहां के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा का मुख्य अतिथि बनाया जाना 150वें वर्ष के अनुकूल कहा जाएगा। सरकार ने देश और दुनिया को यह बताने की भी कोशिश की कि रक्षा क्षेत्र में हम मेक इन इंडिया को साकार कर रहे हैं। मेक इन इंडिया के तहत निर्मित के-9 वज्र तोप राजपथ पर दिखा। असम राइफल्स की महिला दस्ता पहली बार गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हुई। नौसेना, भारतीय सेना सेवा कोर और सिग्नल्स कोर की एक यूनिट के दस्तों की अगुवाई महिला अधिकारियों द्वारा किया जाना, डेयरडेविल्स टीम के पुरुष साथियों के साथ सिगनल्स कोर की कैप्टन शिखा सुरभि का बाइक पर करतब दिखाते सलामी देना, पहली बार एक महिला अधिकारी लेफ्टिनेंट भावना कस्तूरी द्वारा भारत सेना सेवा कोर के दस्ते की अगुवाई और सशस्त्र सेना में तीसरी पीढ़ी की अधिकारी कैप्टन भावना स्याल द्वारा ट्रांसपोर्टेबल सैटेलाइट टर्मिनल के दस्ते का नेतृत्व लैंगिक समानता की दिशा में सफलता का प्रमाण माना जाएगा। वायु सेना के मालवाहक विमान ए एन-32 का जैव ईधन से उड़ान भरना भारत की पर्यावरण सुरक्षा संबंधी प्रतिबद्धता की दिशा में आगे बढ़ने का द्योतक था।

अशोक चक्र

गणतंत्र दिवस पर इस बार भारत में शांति काल में दिया जाने वाला सर्वोच्च वीरता पुरस्कार अशोक चक्र एक ऐसे शख्स को प्रदान किया गया, जो देश ही नहीं, दुनिया में प्रेरणास्पद उदाहरण बनेगा। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के रहने वाले भारतीय सेना के लांस नायक नजीर अहमद वानी को इस साल का अशोक चक्र प्रदान किया गया। अहमद वानी कभी जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में लिप्त रहते थे और उनकी बंदूक सुरक्षा बलों के खिलाफ आग उगलती थी। लेकिन जब उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ, तो उन्होंने एक झटके में आतंक की बंदूक को फेंक दिया और भारतीय सेना में शामिल हो गए। 15 साल पहले सेना में शामिल होने के समय से लेकर अपनी मृत्यु तक देश की सेवा करते रहे। इस दौरान उन्हें दो बार सेना मेडल मिला। पिछले साल नवम्बर माह में आतंकियों के खिलाफसेना के एक आपरेशन में वह वीरगति को प्राप्त हुए। उनकी इसी शहादत को देश गणतंत्र दिवस के अवसर पर याद करेगा। यह ऐसी शहादत है, जो आतंकियों के हाथों गुमराह कश्मीरी युवाओं को देश की मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित करेगा। दरअसल, बल प्रयोग करके आतंकियों का सफाया किया जा सकता है, लेकिन इसका प्रभाव दीर्घकालिक नहीं होता है। मौका पाकर यह पनप उठता है। इसलिए जरूरी है कि इसके मूल में व्याप्त विचार को ही खत्म किया जाए, ताकि कश्मीरी युवाओं का मनमानस बदला जा सके। इसी का नतीजा है कि वानी जैसे लोग हथियार का रास्ता छोड़कर सेना में शामिल होते हैं। भारत सरकार द्वारा वानी को अशोक चक्र से सम्मानित करना प्रशंसनीय कदम है। लेकिन अभी कश्मीर में ऐसी स्थिति नहीं बन सकी है, जिससे राहत की सांस ली जा सके।

चिंता की बात यह है कि हाल के वर्षो में घाटी में जिस प्रकार धार्मिक कट्टरवाद बढ़ा है, उसने सूफी परंपरा के लिए जाने वाले कश्मीर की असल पहचान को ही खतरे में डाल दिया है। अब कश्मीर समस्या राजनीतिक कम, सामाजिक ज्यादा लगने लगी है। इसलिए सामाजिक धरातल पर भी इसका समाधान खोजना लाजिमी है। सेना ''सद्भावना मिशन' के तहत इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है।

सत्संग

आराधना

अपने पास जो कुछ भी है, उससे खुश और जो नहीं है उससे भी खुश रहते हैं। अज्ञानी अपने पास जो है उससे और जो नहीं है उससे भी नाखुश रहते हैं। दुख किसी व्यक्ति या किसी वस्तु द्वारा नहीं दिया जाता। ये तुम्हारा मन है, जो तुम्हें दुखी करता है और मन ही है जो तुम्हें खुश और उत्साहित रखता है। जो भी तुम्हारे पास है उससे अगर तुम पूरी तरह से संतुष्ट हो तो इसका अर्थ है कि जीवन में कोई अभिलाषा ही नहीं है। जीवन में आकांक्षा होना जरूरी है लेकिन उन आकांक्षाओं के लिए तुम उत्तेजित होने लगो तो वही मार्ग में बाधा बन सकती है। तेजी से बहते हुए नल के नीचे अगर तुम कप रखोगे तो वह कप कभी नहीं भरेगा। नल के पानी को सही गति में रखोगे तब कप पानी से भरेगा। अति महत्त्वाकांक्षी और उत्तेजित लोगों के साथ यही होता है। बस, इरादा रखो कि ''मुझे ये चाहिए'-और छोड़ दो! तुम्हारा सारा जीवन, हरेक सांस जो तुम लेते हो, वो जैसे एक पूजा है। पूजा का अर्थ है सम्मान और आदर से प्रेम करना। केवल आराधना को पूजा नहीं कहते। आराधना माने किसी व्यक्ति को उसके कुछ गुणों के कारण प्रेम करना। सत्य हमेशा से सरल है वह सृष्टि के सरलतम रूपों में व्याप्त है। परिवर्तन को जानो और अपरिवर्तनीय को देखो। जैसे ही जो बदल रहा है उसको जान जाते हो, अचानक तुम सचेत हो जाते हो। इससे तुम आलस्य और मृत्यु पर काबू पा सकते हो। बदलता हुआ ब्रह्मण्ड तुम्हें मृत्यु से उठाकर आकर्षित करता है और अपरिवर्तनीय ब्रह्मण्ड तुम्हें अमरत्व की झलक दिखलाता है। ईशावास्य उपनिषद् के 15 वें पद में एक प्रार्थना है, ''हे पालक पिता, उस परदे को उठाओ'। प्रार्थना यह है कि सत्य का चेहरा परदे से ढका हुआ है- कृपा करके इस परदे को उठाइए, जिससे मैं सत्य को देख सकूं। जीवन में हम बाहरी आवरण के साथ रहते हैं, हमने वह अद्भुत उपहार अभी तक खोला नहीं है। अगर मैं अपने आप सत्य को खोज सकूं तो वह सत्य हो ही नहीं सकता क्योंकि उच्चतम केवल कृपा से सिद्ध किया जा सकता है, अपने आप प्राप्त नहीं किया जा सकता। अब आत्मबोध का पद है। अगर तुम ''मैं वो हूं' का अनुभव करना चाहते हो, तो चेतना के अन्य सभी गुण छोड़ देने पड़ेंगे। चेतना के अलग-अलग पहलू मन को अनुभव करने और न करने में सक्षम बनाते हैं, जैसे कि एक ही व्यक्ति के साथ बातचीत करते समय और समूह को संबोधित करते समय चेतना के स्तर अलग होते हैं।

राजनीतिक दलों ने मुखालफत

वर्ष 2009 में जब प्रणव मुखर्जी ने वित्तमंत्री के रूप में अंतरिम बजट पेश किया तब अर्थव्यवस्था के परिदृश्य पर 2008 में उभरी नियंतण्र आर्थिक मंदी के असर की चिंताएं स्पष्ट दिखाई दे रही थीं। प्रणव मुखर्जी ने वित्त मंत्री के रूप में अपने अंतरिम बजट भाषण में राजकोषीय लक्ष्य पर खरा उतरने में सरकार की नाकामी को रेखांकित किया था। फिर वर्ष 2014 में पी. चिदंबरम ने जब अंतरिम बजट पेश किया था तो अर्थव्यवस्था की हालत ठीक नहीं थी, नियंतण्र बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे थे और राजकोषीय घाटा चिंताजनक स्थिति में था। ऐसे में पी. चिदंबरम ने जहां आर्थिक दिशाएं प्रस्तुत कीं, वहीं उन्होंने पूंजीगत उत्पादों, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों, कारों, दोपहिया वाहनों, वाणिज्यिक वाहनों सहित कई उत्पादों।

सतीश पेडणोकर

सभा में भाजपा सरकार द्वारा पारित नागरिकता संशोधन विधेयक, 2016 (सीएबी) की जनता दल (यूनाइटेड)-जदयू-जैसे एनडीए के सहयोगी दल समेत अनेक राजनीतिक दलों ने मुखालफत की है। असम के लोग भी मुखर होकर इसका विरोधकर रहे हैं। जदयू ने ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) के साथबैठक के उपरांत असमी ''अस्मिता' को समर्थन देने का फैसला किया है। सीएबी के विरोध का लब्बो-लुआब इल्लिगल माइग्रेशन डिटेक्शन बाई ट्राइब्यूनल (आईएमडीटी) मामले में सुनवाईके दौरान सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी से रेखांकित होता है : बड़े पैमाने पर बांग्लादेश से आने वाले लोगों के खतरनाक असर, असम के लोगों और समूचे राष्ट्र पर, को ध्यान में रखा जाना चाहिए। ऐसा करते में किसी तरह की भ्रमित धर्मनिरपेक्षता को आड़े नहीं आने दिया जाना चाहिए।'असम आंदोलन छह वर्षो- 1979 से 1985 तक-तक राज्य में चला। यह बांग्लादेश से अवैध तरीके से असम में प्रवेश के खिलाफ भावनात्मक आंदोलन था।

असम में बांग्लादेशियों का प्रवेश 1971 में बांग्लादेश की आजादी के बाद ज्यादा तेजी से बढ़ा। आंदोलन को समाप्त कराने के लिए 1985 में असम समझौता किया गया। लेकिन केंद्र तथा असम में कांग्रेस-नीत सरकारों ने असम के लोगों को धोखे में रखते हुए 1983 में आईएमडीटी एक्ट, अब असंवैधानिक, बनाया। इस एक्ट ने असम के लोगों के बलिदान बेमानी कर दिए। कांग्रेस का वोट बैंक अप्रभावित रहा। कांग्रेस की सरकार आंदोलन के नेतृत्व-जिसने आंदोलन के पश्चात असोम गण परिषद (एजीपी) का गठन कर लिया था-पर दबाव बनाने में भी सफल रही कि नागरिकता का निर्धारण करने के लिए लागू विच्छेदन वर्ष 1951 के बजाय 1971 की जनगणना के आधार पर अवैध बांग्लादेशियों की पहचान की जाए। इसके चलते पूर्वी पाकिस्तान से अवैध रूप से असम में प्रवेश कर चुके बांग्लादेशियों को भारतीय नागरिकता हासिल करने में मदद मिली।

बांग्लादेश से आने वाले लोगों का बेतहाशा प्रवाह 1971 के बाद जारी रहा क्योंकि असम समझौते के किसी भी दबाव को कांग्रेस सरकार आईएमडीटी की आड़ लेकर निष्क्रिय करती रही। सुप्रीम कोर्ट में आईएमडीटी एक्ट को लेकर भारत सरकार के खिलाफ लंबी कानूनी लड़ाई चली। सरबानंद सोनोवाल-असम के वर्तमान मुख्यमंत्री- नेंयह लड़ाईजीती। सुप्रीम कोर्ट ने इस एक्ट को असंवैधानिक करार देते हुए कहा कि ''इसने बड़ा अवरोध पैदा कर दिया है, और यह अवैध बांग्लादेशियों की पहचान और उनके निर्वासन में बड़ी अड़चन बन गया है।' सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार 2013 में एनआरसी प्रक्रिया शुरू होने तक असम को प्रतीक्षा करनी पड़ी। 2011 की जनगणना ने असम के नागरिक समाज में नईर्चचा ही छेड़ दी। बोंगाईगांव, मोरीगांव और दारांग जिले जहां पहले हिंदू बहुसंख्यक जिले थे, लेकिन 2011 की जनगणना के मुताबिक, मुस्लिम बहुसंख्यक जिले हो गए हैं। जनसंख्या में बदलाव-बरपेटा, धुबरी, करीमगंज, ग्वालपाड़ा, हैलकांडी और नागांव समेत-निचले असम डिवीजन व बराक घाटी में भी देखा गया। वहां मुस्लिम आबादी में बढ़ोतरी की दर ने खतरे की घंटी बजा दी है। ब्रिटिश काल में देश की आजादी से पहले मुस्लिम लीग सरकार ने इन जिलों में पूर्व बंगाल प्रांत के मैमनसिंह, पाबना, बोगरा और रंगपुर-जो अब बांग्लादेश का हिस्सा हैं-जिलों से मुस्लिम बंगालियों को इन जिलों में बसने के लिए प्रेरित किया था। यह कवायद इस कदर संकीर्ण थी कि लॉर्ड वॉवेल ने इसे ''ज्यादा से ज्यादा मुस्लिम बढ़ाओ' कार्यक्रम तक कह दिया था। असम के स्थानीय निवासी-जो दशकों से बांग्लादेश से अवैध प्रवेश का दंश झेलते रहे हैं-बड़े गौर से स्वयं को अपने ही घर में धार्मिक के साथही भाषायी अल्पसंख्यक होते देख रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने असम समझौते के अनुच्छेद 6 पर विचार करने के लिए हाल में एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति के गठन की घोषणा की ताकि ''असमियों की विरासत और सांस्कृतिक, सामाजिक एवं भाषायी पहचान के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रोत्साहन के लिए संवैधानिक, विधायी तथा प्रशासनिक व्यवस्था की जा सके।

' उम्मीद है कि राज्य विधानसभा में सीट आरक्षण, भाषा का संरक्षण, भूमि पर अधिकार के साथही सरकारी नौकरियों में आरक्षण जैसे उपायों से असम के स्थानीय लोगों को खासा लाभ होगा। सीएबी को लेकर गुस्सा यह है कि इससे अपेक्षित संवैधानिक संरक्षण नहीं मिल पाएगा। आसू ने 27 जनवरी को विरोधरैली का आह्वान किया। जदयू और अन्य पार्टियों के इसमें शिरकत करने की उम्मीद है। राज्य सभा में भाजपा के अल्पसंख्या में होने के कारण एसीबी का पारित होना संभव नहीं दिखता। वैसे इस बिल का वैधानिक पक्ष भी कोईदमदार नहीं है। असम समझौते में जिन संवैधानिक उपायों की आास्ति थी, उन पर अब केंद्र सरकार विचार कर रही है। समझौते के अनुच्छेद छह के तहत यह वादा 34 वर्ष पूर्व किया गया था। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिक्कारी अली भुट्टो ने अपनी पुस्तक ''माइथ ऑफ इंडिपेंडेंस' में लिखा है कि कश्मीर ही नहीं बल्कि असम भी भारत के लिए इतना बड़ा सरदर्द है। सुप्रीम कोर्ट ने आईएमडीटी पर सुनवाईके दौरान कहा था कि ''घुसपैठ से ये जिले मुस्लिम बहुसंख्यक क्षेत्र में तब्दील होते जा रहे हैं। ऐसा ही चलता रहा तो किसी रोज मांग उठ खड़ी होगी कि इन जिलों का बांग्लादेश में विलय किया जाए।' पहले ही काफी समय बर्बाद हो चुका है। टालने से बात नहीं बनेगी। सीएबी-इस उम्मीद से कि यह वैधानिक जांच में खरा उतरेगा-की तरफबढ़ते हुए चिंता बनी रहेगी कि असम भाषायी पहचान-जो भारत में राज्यों के निर्माण की बुनियादी शर्त है-ही न खो बैठे। हमें गर्व है कि हमारे पूर्वजों ने असम को पाकिस्तान में मिलाने के ब्रिटिश के प्रयास को नाकाम कर दिया था। किसी दिन असम को बांग्लादेश में मिलाने के आंदोलन शुरू होता है, तो इससे ज्यादा दुर्भाग्य कुछनहीं होगा। आशंका को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। ''चिकननेक'-भारत की मुख्यभूमि से पूर्वोत्तर को मिलाने वाली 17 किमी. की भूपट्टी-ही खतरे में पड़ गई है। 1985 में हम एक मौका खो चुके हैं, लेकिन अभी भी मौका है हमारे पास कि हम असम के स्थानीय निवासियों के हितों की रक्षा करने में कुछभी न उठा रखें।

चलते चलते

बदजुबानी पर हो हल्ला

देश में ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता जब किसी नेता की बदजुबानी पर हो हल्ला नहीं मचता; टीवी-अखबारों में जिसकी मजम्मत नहीं होती हो। इस गिरते राजनीतिक विमर्श को प्रियंका गांधी पर विपक्षी नेताओं द्वारा की गई।

रती वायु गुणवत्ता आज सामूहिक चिंता का विषय है। मगर सार्वजनिक विमर्श का गिरता स्तर भी आज कम भयावह नहीं है। विशेषकर राजनीतिक क्षेत्र में। देश में ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता जब किसी नेता की बदजुबानी पर हो हल्ला नहीं मचता; टीवी-अखबारों में जिसकी मजम्मत नहीं होती हो। इस गिरते राजनीतिक विमर्श को प्रियंका गांधी पर विपक्षी नेताओं द्वारा की गई निजी टीका-टिप्पणी ने फिर लहलहा दिया है। प्रियंका के आधिकारिक राजनीतिक एंट्री के बाद, भाजपा के नेताओं की ओर से उनपर एक-के-बाद-एक निजी हमले हो रहे हैं, जो सामान्य मर्यादा के तहत स्वीकार नहीं किया जा सकता। एक तरफ भाजपा का यह कहना कि प्रियंका की राजनीतिक एंट्री को वह बहुत तवज्जो नहीं देती, मगर उसके नेताओं की ओर निजी हमले उन्हीं की बातों को खारिज करते हैं। पार्टी से राज्य सभा सदस्य सुब्रह्मण्यम स्वामी को प्रियंका में हिंसात्मक चरित्र दिखता है, तो महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को वो चॉकलेटी लगती हैं। बिहार सरकार में भाजपा कोटे से मंत्री विनोद नारायण झा को उनकी खूबसूरती के अलावा कोई और गुण नहीं दिखता। ये सभी टिप्पणियां कहीं ना कहीं पार्टी के मनोवैज्ञानिक हलचल को बयां करती हैं। पार्टी द्वारा इससे बचने की कोशिशों के बावजूद। इतिहास गवाह हैं कि ऐसे निजी आक्षेप राजनीति में घाटा ज्यादा कराते हैं। खासकर भारतीय समाज तो कतई इस तरह के सतही आचरण को नहीं स्वीकारता। विशेषकर महिलाओं को लेकर। बहुत पीछे ना जाएं तो सोनिया गांधी ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''मौत का सौदागर' का खिताब दे डाला था। इस अतिरेकी बयान को मोदी ने बखूबी भुनाया और गुजरात विधसानसभा में इसे अपनी जीत को सुनिश्चित करने के लिए इस्तेमाल किया। बाकी बाद का इतिहास आज वर्तमान है। चाल, चरित्र और चिंतन का नारा बुलंद करने वाली पार्टी को इस प्रकार के बयान शोभा नहीं देते। महिला आरक्षण पर 5 साल तक चुप्पी साधे बैठी भाजपा ने अगर अपने नेताओं की लगाम नहीं कसी तो प्रियंका से जिस नुकसान का डर है वो कहीं सच ना हो जाए। एक नेता जिसकी चुनावी अग्निपरीक्षा होनी बाकी है, बेहतर होता उनके राजनीतिक विजन पर बात होती। उसपर सवाल दागे जाते, मगर शायद देश की राजनीतिक बिरादरी यह चाहती ही नहीं है।

फोटोग्राफी...

जूना अखाड़े में नागा संस्कार।

निडरता

आजादी के मर्म को जनांदोलन बनाने वाले राष्ट्रवादी, समाज सुधारक, लेखक और संपादक अजेय क्रांतिकारी लाला लाजपत राय भारत के उन महान् सपूतों में से थे, जिन्होंने अंतिम सांस तक अंगेजी हुकूमत को निर्भीकता से ललकारते रहे। जिन्होंने अंग्रेजी कु-शासन के सामने निडरता के साथ जान हथेली पर रखकर भारत की गुलामी की जंजीरों को तोड़ने के लिए कतरा-कतरा कुर्बान कर दिया। साइमन कमीशन के भारत आने के विरोध में लाला जी ने भारतीय इंकलाब को एक नई दिशा देने के लिए लोगों को जागृत करने का अखंड प्रयास किया। इसी प्रयास में अंग्रेजी पुलिस की लाठियां उन्हें खानी पड़ी। अंग्रेजी शासन की लाला जी पर पड़ी लाठियां भारत में एक नई फिरंगी विरोधी लहर पैदा करने का कारण बनीं। ऐसे अजेय साहसी योद्धा का शहीद होना निर्थक नहीं गया। सारे देश में साइमन कमीशन के विरोध और अंग्रेजी हुकूमत को उखाड़ फेंकने का नया संग्राम ही छिड़ गया। लाला लाजपत राय का जन्म पंजाब के फिरोजपुर जिले के गांव ढुडीके में एक साधारण परिवार में 28 जनवरी 1865 को हुआ। उनका गांव ढुडीके 1905-07 में किसान लहर में सरगर्म और सबसे लोकप्रिय रहा था। यह वही गांव है, जो 1914-15 की गदर पार्टी लहर का दूसरे चरण का प्रमुख केंद्र रहा। पंजाब के क्रांतिकारी इसी गांव से अपनी गतिविधियों को संचालित कर रहे थे। इसी गांव में पाला सिंह ढुडीके और ईर सिंह ढुडीके ने भारत की आजादी के संग्राम की ज्वाला धधकाई थी। लालाजी पर इसका बहुत गहरे तक असर हुआ। वह आजादी के लिए संकल्पित हो गए। बचपन से ही शिक्षा, समाज और संस्कृति के प्रति रुचि होने के कारण सामाजिक और शैक्षिक विषयों में रुचि लेने लगे थे। हाईस्कूल की शिक्षा हासिल करने के बाद लाजपत राय 1881 में गवर्नमेंट कॉलेज लाहौर में दाखिला लिया। लाहौर में उस वक्त दो सुधारवादी जनांदोलनों का केंद्र था। ब्रह्म समाज और दूसरा आर्य समाज का जनांदोलन। ये दोनों जनांदोलनों का उद्देश्य राष्ट्रवादी और समाज सुधार था। लाहौर में लालाजी पहले ब्रह्म समाज के सदस्य बने लेकिन ब्रह्म समाज में गुटबाजी देखकर उनका वहां से मोहभंग हो गया। भारत के बाहर लालाजी ने विदेश में बसे भारतीयों को जागरूक करने और विदेशी शासन को अपनी गतिविधियों से अवगत कराने के लिए अमेरिका में 1914 में ''इडियन होम रूल लीग' की स्थापना की। इसके साथ ही उन्होंने असहयोग आंदोलन में हिस्सा लिया और गिरफ्तारी दी। उनकी गिरफ्तारी से भारत के उन सपूतों को प्रेरणा मिली जो देशहित में क्रांतिकारी बन गए थे। 1926 में उन्होंने देश में एक अलग जागृति लाने के लिए ''नेशनलिस्ट पार्टी' की स्थापना की। साथ उनका इंकलाबी सफर भी आगे बढ़ता रहा।

''भारत माता सोसाइटी' के साथ उनका बहुत नजदीकी रिश्ता था। उनके साथ सरदार भगत सिंह के पिता सरदार किशन सिंह, अजीत सिंह (भगत सिंह के चाचा) सूफी अंबा प्रसाद, और आनंद किशोर जैसे देशभक्त उस समय लैंड रिव्यू बढ़ा देने के खिलाफ दोआब बारी एक्ट और कलोनाइजेशन एक्ट के खिलाफ लोगों को जागरूक करने में लगे हुए थे। इसका असर यह हुआ कि सारा पंजाब उनके साथ हो गया। समाज में सबको बेहतर शिक्षा, बेहतर स्वास्य, बेहतर आय के साधन और श्रम के मूल्य, स्वधर्म की प्रासंगिकता और स्वसंस्कृति की चेतना के महत्त्व को लालाजी ने अपने जीवन ही नहीं रेखांकित किया बल्कि समाज के लिए इसकी महत्ता को बेहतर ढंग से प्रतिपादित किया।

अन्य खेल समाचार

INDvsNZ: इस सीरीज से वर्ल्ड कप के लिए ये सबक लेकर लौटेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली: भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच वनडे मैचों की सीरीज के दो मैचों में टीम इंडिया जीत हासिल कर चुकी है. अब बाकी तीन मैचों का फैसला आना है. अभी तक सीरीज जिस तरह से हुई है, उससे टीम इंडिया की आगामी मई के अंत में शुरू होने वाले आईसीसी के वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों के बारे में कई बातें पता चलती है. इसमें सबसे अहम बात जो सामने आई है वह यह की टीम इंडिया इस सीरीज को एक द्वपक्षीय सीरीज न लेते हुए वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए खास मौके के तौर पर ज्यादा देख रही है. इसके अलावा इस सीरीज की कई खास बातें ऐसी हैं जो बताती हैं कि टीम इस दौरे से क्या वापस लेकर जाना चाहती है.

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कई समस्याएं लेकर गई थी टीम इंडिया

पिछले साल नवंबर के महीने में जब टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर निकली थी, तब सबका ध्यान टेस्ट सीरीज की ओर ज्यादा था, लेकिन सीरीज खत्म होने के फौरन बाद उस ऐतिहासिक जीत का जश्न ज्यादा नहीं चला और टीम वनडे सीरीज की तैयारियों में जुट गई. इसके साथ ही टीम इंडिया का फोकस वर्ल्ड कप की तैयारियों पर हो गया. इस सीरीज से पहले टीम इंडिया अपने साथ वनडे प्रारूप को लेकर कई समस्याएं लेकर गई थी. तब से लेकर अब तक टीम की कुछ समस्याएं सुलझ गई हैं, तो कुछ चुनौतियां अब भी कायम हैं.

विराट का ध्यान टीम की कमजोरियां ठीक करने पर

सीरीज के पहले मैच में जीत हासिल करने के बाद जब टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया तो सभी को अचरज हुआ. यहां तक कि न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने भी यही कहा कि अगर वे टॉस जीतते तो पहले गेंदबाजी करते. विराट ने अपने इस फैसले पर बताया था कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं.

ऑस्ट्रेलिया में धूम मचाने के बाद पुजारा रणजी में भी कर रहे धमाल जड़ा 49वां फर्स्ट क्लास शतक

बेंगलुरू: हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम की टेस्ट सीरीज में जीत के नायक रहे चेतेश्वर पुजारा (नाबाद 108) के शतक और शेल्डन जैक्सन (नाबाद 90) के साथ चौथे विकेट के लिए उनकी 201 रन की नाबाद साझेदारी की बदौलत सौराष्ट्र की टीम कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्राफी के पांच दिवसीय सेमीफाइनल में जीत से महज 55 रन दूर है और उसके सात विकेट बाकी हैं.

पुजारा ने ऑस्ट्रेलिया में चार टेस्ट मैचों में तीन सेंचुरी और एक हाफ सेंचुरी की मदद से सात पारियों में 521 रन बनाए थे. उन्हें मैन ऑफ द सीरीज चुना गया था. टीम इंडिया ने यह सीरीज 2-1 से जीती थी. यह भारत की ऑस्ट्रेलिया में पहले टेस्ट सीरीज जीत रही. पुजारा ने रणजी के इस मैच में जिम्मेदारी से खेलते हुए इस दौरान 49वां प्रथम श्रेणी शतक जड़ा.

23 रन तीन विकेट खो दिए थे सौराष्ट्र ने

सौराष्ट्र ने जीत के लिए 279 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन स्टंप तक दूसरी पारी में तीन विकेट गंवाकर 224 रन बना लिए थे. दिलचस्प बात है कि इस लक्ष्य का पीछा करते हुए सौराष्ट्र की टीम महज 23 रन पर तीन विकेट खो बैठी थी, जिसके बाद पुजारा और जैक्सन क्रीज पर उतरे. इन दोनों ने गजब की बल्लेबाजी की और टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया है. जैक्सन अपने 16वें प्रथम श्रेणी सैकड़े से महज 10 रन दूर हैं. सौराष्ट्र की टीम को अब फाइनल में पहुंचने के लिए 55 रन की दरकार है.

INDvsNZ: टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड में दूसरी बार जीती वनडे सीरीज

माउंट माउनगुई: टीम इंडिया ने सोमवार को बे-ओवल मैदान पर जारी तीसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराकर पांच वनडे मैचों की सीरीज अपने नाम कर ली. न्यूजीलैंड टीम के दिए 244 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए. टीम इंडिया ने 43 ओवरों में ही लक्ष्य हासिल कर लिया. टीम इंडिया के रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा 62 रन बनाए. उनके अलावा विराट कोहली (60) अंबाती रायडू (40 नाबाद) और दिनेश कार्तिक (38 नाबाद) का भी खास योगदान रहा. न्यूजीलैंड के लिए ट्रेंट बोल्ट सबसे सफल गेंदबाज रहे उन्होंने 10 ओवर में 40 रन देकर दो विकेट लिए.

244 रनों का पीछा करते हुए टीम इंडिया को रोहित और शिखर धवन ने मजबूत शुरुआत दी और पहले पांच ओवरों में 31 रन जोड़े. 9वें ओवर में शिखर धवन स्लिप पर कैच हो गए, लेकिन इसके बाद रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली ने 113 रनों की साझेदारी कर टीम इंडिया को मजबूती दे दी. पहले रोहित 29वें ओवर में 62 रन बनाकर आउट हुए उसके बाद विराट कोहली 32वें ओवर में 60 रनों की पारी खेलकर आउट हुए. विराट आउट होने से पहले टीम को मजबूत स्थिति (32वें ओवर में 168 रन) में पहुंचा चुके थे.

रॉस टेलर (93) और टॉम लाथम (51) की अर्धशतकीय पारियों से न्यूजीलैंड ने भारत को 244 रनों का लक्ष्य दिया. न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लेते हुए सभी विकेट गंवाकर 243 रनों का स्कोर बनाया. भारतीय टीम के गेंदबाजों के आगे कमजोर नजर आई न्यूजीलैंड के लिए पारी की शुरुआत ही अच्छी नहीं रही. भारत के लिए इस पारी में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कोलिन मुनरो (7) को रोहित शर्मा के हाथों कैच आउट कर मेजबान टीम का पहला विकेट गिरा दिया.

SAvsPAK: पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर की वापसी, वनडे सीरीज हुई 2-2 से बराबर

जोहानिसबर्ग: पाकिस्तान के कप्तान पर चार मैचों का बैन लगने के बाद टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में वापसी कर ली है. अपने बल्लेबाजों और गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने रविवार को द वंडर्स स्टेडियम में खेले गए चौथे वनडे मैच में मेजबान टीम को आठ विकेट से हरा दिया. इस जीत के साथ पाकिस्तान ने पांच मैचों की सीरीज में 2-2 से बराबरी कर ली है. दोनों टीमों के बीच पांचवां और आखिरी मैच कैपटाउन में 30 जनवरी को खेला जाएगा.

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया. इस मैच में मेजबान टीम के लिए हाशिम अमला (59) और कप्तान फाफ डु प्लेसिस (57) ने सबसे अधिक रन बनाए. हाशिम और प्लेसिस के अर्धशतकों के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की पारी 164 रनों पर समाप्त हो गई. टीम का अन्य कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाया.

कार्यवाहक कप्तान शोएब मलिक ने गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षकों के सही इस्तेमाल से दक्षिण अफ्रीका को दबाव में ला दिया. दक्षिण अफ्रीका को 164 रनों के स्कोर पर समेटने में पाकिस्तान के लिए उस्मान खान की गेंदबाजी ने सबसे अमब भूमिका निभाई. उन्होंने सबसे अधिक चार विकेट लिए.

शाहीन शाह अफरीदी ने शुरूआती दो विकेट झटके. जिसके बाद हाशिम अमला ने 59 रन और फाफ डु प्लेसिस ने 57 रन की पारी खेली. इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 101 रन की भागीदारी निभायी जिसकी बदौलत टीम इतना स्कोर बना सकी. मलिक ने स्पिनर इमाद वसीम और शदाब खान का बेहतरीन इस्तेमाल कर रन गति पर लगाम रखी. मोहम्मद आमिर ने खतरनाक डेविड मिलर को आउट किया जिसके बाद शिनवारी ने रासी वान डर डुसेन को 18 रन पर विकेट के पीछे कैच आउट कराया और फिर डेल स्टेन को बोल्ड किया. कागिसो रबाडा पहली ही गेंद पर शिनवारी का शिकार हुए, पर हैट्रिक गेंद पर ब्यूरान हेंडरिक्स पगबाधा की अपील से बच गए. अगले ओवर में शिनवारी ने फेलुकवायो का विकेट झटका. शदाब खान ने अंतिम बल्लेबाज इमरान ताहिर को आउट किया.

मेजबान टीम की ओर से मिले 165 रनों के लक्ष्य को हासिल करने उतरी पाकिस्तान की टीम को अधिक मेहनत नहीं करनी पड़ी. उसने इमाम उल हक (71) के अर्धशतक के दम पर इस लक्ष्य को केवल दो विकेट के नुकसान पर हासिल कर आठ विकेट से जीत अपने नाम की. इस पारी में पाकिस्तान के लिए फखर जमान ने 44 और बाबर आजम ने 41 रनों का योगदान दिया. मोहम्मद रिजवान 4 रन बनाकर नाबाद रहे. दक्षिण अफ्रीका के लिए इमरान ताहिर और एंडिले फेलुक्वायो ने एक-एक सफलता हासिल की.

INDvsNZ: एमएस धोनी की चोट ने दिया दिनेश कार्तिक को मौका, 5 साल बाद संभाला यह मोर्चा

नई दिल्ली: आखिरकार दिनेश कार्तिक को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में वो भूमिका मिल ही गई, जिसके लिए वे पांच साल से इंतजार कर रहे थे. न्यूजीलैंड ने इस मैच में टॉस जीतकर भारत को पहले फील्डिंग करने को कहा. भारतीय टीम जब मैदान पर उतरी तो विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी दिनेश कार्तिक ने संभाली. उन्होंने करीब पांच साल बाद वनडे मैच में विकेटकीपिंग की.

दरअसल, भारत इस मैच में अपने सुपरस्टार विकेटकीपर एमएस धोनी के बिना उतरा. कप्तान विराट कोहली ने बताया कि धोनी की मांसपेशियों में खिंचाव है. इसलिए उन्हें 'रेस्ट' दिया गया है. हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यह चोट कितनी गंभीर है. धोनी की चोट या कहें 'रेस्ट' ने दिनेश कार्तिक को विकेटकीपिंग का मौका दे दिया. अन्यथा वे पिछले पांच साल से भारत के लिए बतौर स्पेशलिस्ट बल्लेबाज ही खेल रहे हैं.

33 साल के दिनेश कार्तिक का यह 90वां मैच है. उन्होंने इस मैच में चार कैच लपके. क्रिकेट प्रशंसकों को यह जानकर हैरानी हो सकती है कि कार्तिक सिर्फ 25 मैचों में बतौर विकेटकीपर उतरे हैं. उन्होंने इन मैचों में कुल 41 शिकार किए हैं, जिनमें 34 कैच और सात स्टंपिंग शामिल हैं.

तमिलनाडु के दिनेश कार्तिक ने सोमवार (28 जनवरी) से पहले साल 2014 में विकेटकीपिंग की थी. पांच मार्च 2014 को अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए इस मैच में कार्तिक ने एक कैच लिया था और 21 रन की नाबाद पारी खेली थी. भारत ने यह मैच आठ विकेट से जीता था. दिनेश कार्तिक दुनिया के एकमात्र स्पेशलिस्ट विकेटकीपर हैं, जो किसी विकेटकीपर कप्तान (एमएस धोनी) की कप्तानी में 25 से ज्यादा मैच खेल चुके हैं. कार्तिक ने धोनी की कप्तानी में 29 मैच खेले हैं. उन्होंने इन मैचों में 29.12 की औसत से 699 रन बनाए हैं. इनमें चार अर्धशतक शामिल हैं.

दिनेश कार्तिक, कूल कप्तान एमएस धोनी के अलावा छह और खिलाड़ियों की कप्तानी में खेल चुके हैं. इनमें राहुल द्रविड़, सौरव गांगुगी, विराट कोहली, वीरेंद्र सहवाग, सुरेश रैना और रोहित शर्मा शामिल हैं. उन्होंने कोहली की कप्तानी में 22, राहुल द्रविड़ की कप्तानी में 21, रोहित शर्मा की कप्तानी में आठ मैच खेले हैं. इसके अलावा चार-चार मैच सहवाग और रैना की कप्तानी व दो मैच सौरव की कप्तानी में खेले हैं.

दिनेश कार्तिक इंटरनेशनल करियर के मामले में एमएस धोनी से सीनियर खिलाड़ी हैं. कार्तिक ने पहला वनडे मैच सितंबर 2004 में खेला. धोनी को पहला वनडे मैच खेलने का मौका इसके दो महीने बाद मिला था. टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो कार्तिक ने पहला टेस्ट नवंबर 2004 में खेला, जबकि धोनी को दिसंबर 2005 में मौका मिला.

INDvsNZ: हार्दिक ने वापसी करते ही किया शानदार प्रदर्शन, खुद को ऐसे किया साबित

नई दिल्ली: भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज के तीसरे मैच में वापसी करते ही हार्दिक पांड्या ने पहली ही पारी में खुद की अहमियत साबित कर दी. पहले हार्दिक ने कप्तान केन विलियम्सन का शानदार कैच पकड़कर न्यूजीलैंड को बैकफुट पर धकेला दिया. उसके बाद गेंदबाजी से भी शानदार प्रदर्शन किया और टीम के लिए दो विकेट झटके. हार्दिक ने एक बार फिर अपने कप्तान के विश्वास को सही साबित किया है.

हार्दिक ने पिछली बार चार महीने पहले में टीम इंडिया के लिए मैच खेला था. सितंबर में एशिया कप के दौरान हार्दिक चोटिल हो गए थे. उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इसी महीने वनडे सीरीज में वापसी करने वाले ही थे कि एक विवादास्पद बयान देने के कारण उन पर प्रतिबंध लग गया. हालांकि फिलहाल इस मामले की जांच चल रही है.

➡ पहले पकड़ा सुपर मैन की तरह कैच

पहले पंड्या ने युजवेंद्र चहल के ओवर में शानदार कैच पकड़ा. 17वें ओवर में गेंद को विलियमसन ने उठाया ही था कि पंड्या ने हवा में उछलकर उसे कैच कर लिया. विलियम्सन जब बल्लेबाजी करने आए थे तब पारी के केवल दो ही ओवर हुए थे. विलियम्सन रॉस टेलर के साथ संभल कर खेल रहे थे लेकिन हार्दिक ने

उनका कैच लपक कर उन्हें हैरान ही कर दिया. पिछले मैच में विलियम्सन ने तेजी से रन बनाने के चक्कर में अपना विकेट जल्दी ही गंवा दिया था.

पारी के 17वें ओवर में युजवेंद्र चहल की गेंद को आगे बढ़कर मिड विकेट की ओर शॉट खेला लेकिन वे गेंद को नीची नहीं रख सके. वहीं शॉर्ट मिड विकेट पर हार्दिक पांड्या खड़े थे उन्होंने अपनी बाईं तरफ बेहतरीन डाइव लगाई और शानदार कैच पकड़ लिया जिसकी वजह से विलियम्सन को पवेलियन वापस जाना पड़ा.

➡ टेलर- लाथम ने दी न्यूजीलैंड को मजबूती

न्यूजीलैंड ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था, लेकिन पहला विकेट दूसरे ओवर में और दूसरा ओवर सातवें ओवर में गिर गया. 17वें ओवर में विलियम्स के आउट होने के बाद टीम बैकफुट पर आ गई थी. इस के बार रॉस टेलर और टॉम लाथम ने पारी को संभाला. टेलर ने 93 रनों की और लाथम ने 51 रन बनाए. दोनों ने 119 रनों की साझेदारी की.

➡ दो विकेट लेकर कराई टीम की वापसी

38वें ओवर में टॉम लाथम के आउट होने के बाद हार्दिक पांड्या ने एक के बाद एक दो विकेट गिरा कर टीम इंडिया की वापसी करा दी. हार्दिक ने हेनरी निकोल्स और मिचेल सैंटनर को विकेट के पीछे दिनेश कार्तिक के हाथों कैच कराकर न्यूजीलैंड की रफ्तार को लगाम लगा दी. हार्दिक ने अपने 10 ओवर में 45 रन देकर दो विकेट लिए. इसके बाद न्यूजीलैंड की पारी टीम 49 ओवर में ही 243 रन बनाकर सिमट गई.

फिलहाल टीम इंडिया न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच वनडे मैचों की सीरीज में अभी 2-0 से आगे है. नेपियनर में हुए पहले वनडे में टीम इंडिया नेशानदार प्रदर्शन करते हुए 8 विकेट से जीत दर्ज की. इसके बाद दूसरे वनडे में भी 90 रनों की बड़ी जीत हासिल की.

अंबाती रायडू पर ICC का प्रतिबंध, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं कर सकेंगे गेंदबाजी

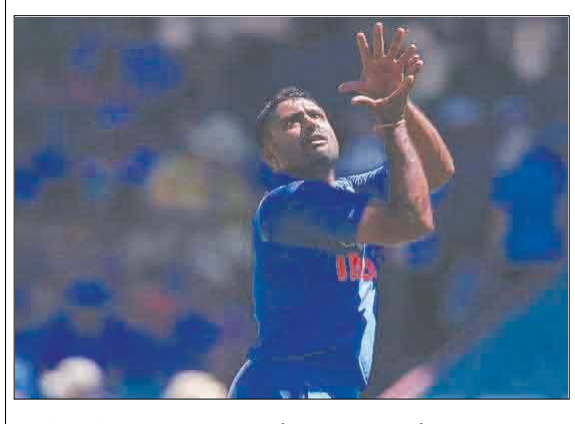

दुबई। आईसीसी ने अंबाती रायडू के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजी पर सोमवार को प्रतिबंध लगा दिया क्योंकि इस भारतीय क्रिकेटर ने 14 दिन की निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने संदिग्ध एक्शन की जांच कराने से इनकार कर दिया। रायडू के एक्शन की शिकायत 13 जनवरी को आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे के दौरान की गई थी। आईसीसी ने एक बयान में कहा कि इस खिलाड़ी ने 14 दिन की समय सीमा के भीतर अपने गेंदबाजी एक्शन की जांच कराने से इनकार कर दिया लिहाजा उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजी करने पर तुरंत प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाता है।

गेंदबाजी एक्शन की वैधता संबंधी आईसीसी नियमों के प्रावधान 4ङ्क2 के तहत उन पर प्रतिबंध लगाया गया है। आईसीसी ने कहा कि उसकी जांच होने तक यह प्रतिबंध लागू रहेगा। उसे यह दिखाना होगा कि वह वैध एक्शन के साथ गेंदबाजी कर सकता है। रायुडू बीसीसीआई की सहमति से घरेलू क्रिकेट में गेंदबाजी कर सकता है। रायडू मूल रूप से बल्लेबाज है और वनडे क्रिकेट में अब तक 49 मैचों में सिर्फ 121 गेंद डाली है।

क्रांति समय

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर सीधी-सिंगरौली वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

(मनीष त्रिपाठी निरीक्षक थाना बैढ़न कोतवाली)
सौजन्य:- कोतवाली थाना के समस्त स्टाप

26 जनवरी 70 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सिंगरौली व देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाए

थाना बैढ़न कोतवाली खुटार चौकी प्रभारी पवन शुक्ला

26 जनवरी 70 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सिंगरौली व देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाए

महात्मा गांधी निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बनौली बैढ़न जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर सिंगरौली वासियों एवं देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

ADMISSION OPEN

सौजन्य- INDIAN CHILDREN ACADEMY SCHOOL ALL STOP
गनियारी एलआइजी बैन
सिंगरौली मध्यप्रदेश
INDIAN CHILDREN ACADEMY SCHOOL - DIRECTOR - J.B.GUPTA

आप सभी प्रदेशवासियों को 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

(हितेष चौधरी पुलिस अधीक्षक सिंगरौली) सौजन्य:- पुलिस अधीक्षक कार्यालय के समस्त स्टाप

आप सभी प्रदेशवासियों को 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

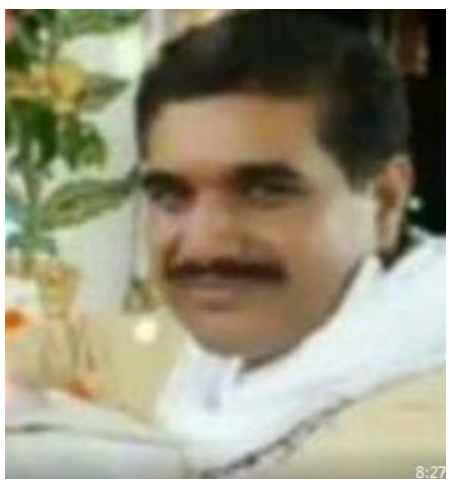

जिला सह. केंद्रीय बैंक शाखा बैन नोडल अधिकारी व शाखा प्रबंधक - गुंजारीलाल तिवारी

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर सीधी-सिंगरौली वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

(अनिल उपाध्याय निरीक्षक थाना जियावन)
सौजन्य:- जियावन के समस्त स्टाप

26 जनवरी 70 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सिंगरौली जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती विनीता कुशवाहा पार्षद एवं एमआईसी सदस्य नेहरू वार्ड नवजीवन बिहार वार्ड 32 सेक्टर 1

26 जनवरी 70 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सिंगरौली जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

(अरुण पाण्डेय निरीक्षक थाना विन्ध्यनगर)
सौजन्य- थाना- विन्ध्यनगर के समस्त स्टाप

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर सेवा सह. समिति मर्या.खरीदी केंद्र खुटार तियरा हार्दिक शुभकामनाएं

(रामविशाले शाहू समिती सेवक)

26 जनवरी 70 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पूरे देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाए

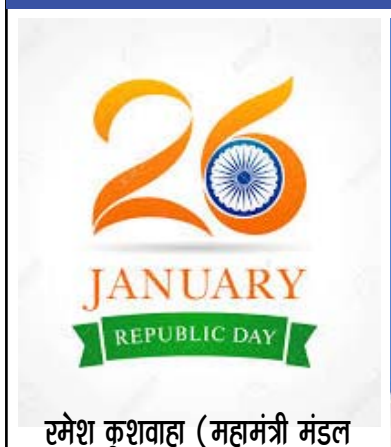

रमेश कुशवाहा (महामंत्री मंडल बैढ़न) नेहरू वार्ड नवजीवन बिहार वार्ड 32 सेक्टर 1

26 जनवरी 70 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पूरे देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाए

सेवा सह. समिति मर्या.परसौना व मकरोहर समिति प्रबंधक कमलेश प्रसाद चौबे

26 जनवरी 70 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आप सभी जिला व देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अशोक कुमार पाण्डेय (विमल)
आकाशवाणी संगीत कलाकार
सिंगरौली मध्यप्रदेश

26 जनवरी 70 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आप सभी जिला व देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

किशोर कुमार सिंह
शाखा प्रबंधक शाखा रजमिलान
C.C.B

26 जनवरी 70 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आप सभी जिला व देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

उमेश कुमार वर्मा, पार्षद वार्ड क्रमांक 33 मौलाना वार्ड नवजीवन विहार सेक्टर नंबर 3 नगर पालिक निगम सिंगरौली

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**